Title: Requests the Central Government to suspend the State Govt. of Bihar on the ground of detriorating law and order situation and demand the CBI inquiry on various scams.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिहार की जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है। वहां विधि व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। केन्द्र की तरफ से बिहार को जो पैसा दिया जाता है, उसकी लूट होती है। बिहार में हत्या, लूट, अपहरण और बलात्कार रोजमर्रा का धंधा बन चुका है। बिहार में उद्योग धंधे बंद हो चुके हैं। वहां उद्योग धंधे चलाने के बदले में अपहरण का धंधा वहां की सरकार की देखरेख में चलाया जाता है। इस सम्बन्ध में पटना उच्च न्यायालय ने तीन बार कहा कि बिहार में जंगल राज कायम हो चुका है। बिहार के महामहिम राज्यपाल ने भी गृह मंत्रालय को एक प्रतिवेदन दिया जो कि तीन जून के ठजनसत्ता' अखबार में निकला। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करते हैं कि बिहार की जनता को राहत दिलाने के लिए बिहार सरकार को बर्खास्त किया जाए।

... (व्यवधान)

हम आपसे मांग करते हैं कि बिहार सरकार को बर्खास्त किया जाए

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)*

श्री प्रभुनाथ सिंह : बिहार में घोटालों का राज चल रहा है। बिहार में पशुपालन घोटाला, बिहार में अलकतरा घोटाला, बिहार में यूरिया घोटाला हुआ। वहां घोटाले ही घोटाले हुए। वहां केन्द्र के खजाने की लूट हो रही है। हम आपके माध्यम

से सरकार से मांग करते हैं कि वह इन खजानों की लूट करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करे और उनकी सी.बी.आई. से जांच कराए। आप सारे घोटालेबाजों को जेल में बंद कराएं।

... (व्यवधान)

---

* Not recorded

अध्यक्ष महोदय : अब आप खत्म करिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : यहां केन्द्र सरकार के मंत्री बैठे हुए हैं। हम उनसे जानना चाहते हैं कि क्या बिहार देश के अन्दर आता है या नहीं? अगर बिहार इस भारतवर्ष के अन्दर है तो वह बिहार की जनता के हित के लिए क्या करने जा रहे हैं?

सरकार की नीयत क्या है? माननीय प्रधान मंत्री ने चुनाव के समय वायदा किया था कि हम बिहार की जनता को इनसे निजात दिलाएंगे।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Except Shri Kondaiah's remarks, nothing will go on record.

(Interruptions)*